# एम.ए. हिंदी (एम.एच.डी.)

## पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–02

## (आधुनिक हिंदी काव्य)

सत्रीय कार्य (जुलाई–2022 और जनवरी–2023) सत्रों के लिए

जुलाई–2022 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 31 मार्च, 2023

जनवरी–2023 सत्र के लिए अंतिम तिथि : 30 सितम्बर, 2023

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

# एम.एच.डी.–02 : आधुनिक हिंदी काव्य
## सत्रीय कार्य 2022–23

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–02
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.डी.–02/टी.एम.ए./2022–23

**सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **अंक**

1. भारतेंदु की कविताओं में नवजागरण और राष्ट्रीय चेतना का समुचित विकास हुआ है, इस कथन का सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 16

2. छायावादी कविता में निराला के महत्त्व को रेखांकित कीजिए। 16

3. नागार्जुन के काव्य में अंतर्निहित प्रगतिवादी जीवनबोध पर प्रकाश डालिए। 16

4. मुक्तिबोध की काव्य भाषा का वैशिष्ट्य बताइए। 16

5. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(क) चर्चा हमारी भी कभी संसार में सर्वत्र थी, 12
वह सद्‌गुणों की कीर्ति मानो एक और कलत्र थी।
इस दुर्दशा का स्वप्न में भी क्या हमें कुछ ध्यान था?
क्या इस पतन ही को हमारा वह अतुल उत्थान था?
उन्नत रहा होगा कभी जो हो रहा अवनत अभी,
जो हो रहा उन्नत अभी, अवनत रहा होगा कभी।
हँसते प्रथम जो पद्म हैं, तम-पंक में फँसते वही,
मुरझे पड़े रहते कुमुद जो अंत में हँसते वही।।

(ख) पशु नहीं, वीर तुम, 12
समर-शूर क्रूर नहीं,
काल-चक्र में दबे
आज तुम राजकुँवर! – समर-सरताज
पर, क्या है,
सब माया है – माया है,
मुक्त हो सदा ही तुम,
बाधा-विहीन बन्ध छन्द ज्यों,
डूबे आनन्द में सच्चिदानन्द रूप।
महामन्त्र ऋषियों का
अणुओं-परमाणुओं में फूँका हुआ।

(ग) यह दीप अकेला स्नेह भरा 12
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो।
यह जन है : गाता गीत जिन्हें फिर और कौन गायेगा?
पनडुब्बा : ये मोती सच्चे फिर कौन कृती लायेगा?
यह समिधा : ऐसी आग हठीला बिरला सुलगायेगा।
यह अद्वितीय : यह मेरा : यह मैं स्वयं विसर्जित :
यह दीप, अकेला, स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इस को भी पंक्ति को दे दो।